सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

लोग अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं पर अधिकारों को याद रखते हैं।
-इंदिरा गाँधी

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 44 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 19 मार्च, 2026

संजू-धोनी के खास लब में शामिल... 7 | तमिलनाडु में चुनाव अपने-अपने... 3 | जुलाई तक हो जायेंगे पंचायत... 2

तेल की नस पर वार मचेगा हाहाकार

दुनिया में डर : मिडिल ईस्ट में आग

- » वैश्विक तबाही की दस्तक
- » गैस फील्ड से रिफाइनरी तक पर हमले
- » कच्चे तेल पर जंग ने धड़कनें तेज कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हवा में धुआं है जमीन पर आग है और आसमान पर युद्ध की काली चादर तनी हुई है। मिडिल ईस्ट अब सिर्फ एक जंग का मैदान नहीं रहा यह उस बारूद का गोदाम बन चुका है जहां हर विस्फोट पूरी दुनिया की सांसें रोके दे रहा है। हुआ वही जिसका अंदेशा था और जिस दिन से तेल और गैस के भंडारों को निशाने पर लिया गया उसी दिन से यह साफ हो गया कि यह लड़ाई अब सिर्फ सरहदों की नहीं रही बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की गर्दन पर रखी तलवार बन चुकी है।

इजरायल ने जब ईरान के सबसे बड़े पार्स गैस फील्ड पर हमला किया तब यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी यह उस लाइफलाइन पर वार था जिससे दुनिया की ऊर्जा चलती है। लेकिन जवाब भी उतना ही भयानक आया। ईरान ने पलटवार करते हुए कतर की मुख्य गैस फैसिलिटी को निशाना बनाया। कुछ ही घंटों में पूरा इलाका आग के समंदर में बदल गया। गैस प्लांट्स से उठती लपटें और काले धुएं के गुबार ने यह बता दिया कि अब जंग ने अपना सबसे खतरनाक मोड़ पकड़ लिया है।

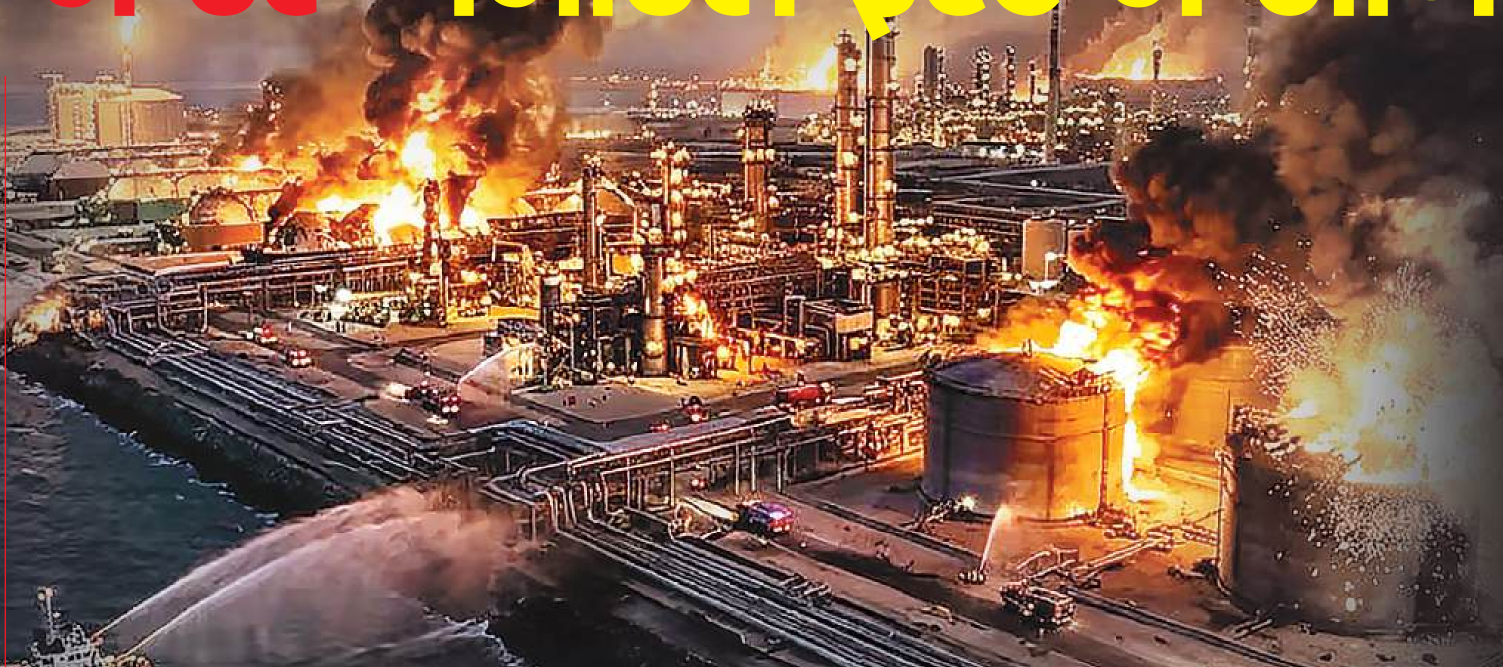

पूरी दुनिया को हिला दिया

इस टकराव ने सिर्फ मिडिल ईस्ट को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को हिला दिया है। तेल के कुएं गैस रिफाइनरी और ऊर्जा सप्लाई के नेटवर्क अब सीधे निशाने पर हैं। यही वजह है कि अमेरिका की बेचैनी अब साफ दिखाई दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि हम हिचकिचाएंगे नहीं। यह बयान सिर्फ एक धमकी नहीं बल्कि उस डर का संकेत है कि अगर यह जंग ऊर्जा ठिकानों तक फैलती रही तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में ऐसा भूकंप आएगा जिसकी गूंज हर देश में सुनाई देगी।

रास लफ्फान पर हमले के बाद ईरानी राजनयिक 'पर्सोना नॉन ग्राटा' घोषित

कतर ने अपनी प्रमुख गैस सुविधा रास लफ्फान पर हुए हमले के बाद कड़ा रुख अपनाया है। कतर सरकार ने ईरानी राजनयिकों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित करते हुए देश छोड़ने का आदेश दिया है। यह कदम कूटनीतिक रिश्तों में गंभीर दरार का संकेत है। कतर का कहना है कि इस हमले ने उसकी संप्रभुता और ऊर्जा सुरक्षा को सीधा नुकसान पहुंचाया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस फैसले को एक बड़े संकेत के तौर पर देखा जा रहा है कि अब यह संघर्ष केवल सैन्य नहीं बल्कि कूटनीतिक टकराव में भी बदल चुका है।

हम डूबेंगे तो तुम को भी ले डूबेंगे

ईरान का रुख भी साफ है अगर हम डूबेंगे तो सबको साथ लेकर डूबेंगे। यह रणनीति सीधी है तेल की कीमतें बढ़ाओ पश्चिमी देशों की जनता को परेशान करो और उनकी सरकारों पर दबाव बनाओ। यह जंग अब मिसाइलों से ज्यादा बाजारों में लड़ी जा रही है। कच्चा तेल 120 डालर प्रति बैरल या फिर 150 डॉलर या उससे भी ऊपर जाने की आशंका अब सिर्फ अनुमान नहीं बल्कि एक डरावनी हकीकत बनती जा रही है। इसका असर सिर्फ पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेगा यह महंगाई व्यापार रोजगार और आम आदमी की जेब तक पहुंचेगा। सवाल अब यह नहीं है कि कौन जीत रहा है। सवाल यह है कि इस जंग में हार किसकी होगी क्योंकि इस बार हार सिर्फ किसी एक देश की नहीं बल्कि पूरी दुनिया की हो सकती है।

हबशान गैस प्लांट पर हमले से खलबली

ईरान के हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात में स्थित हबशान गैस प्लांट को लेकर स्थिति गंभीर हो गई है। यूएई ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता पर सीधा हमला बताया है। सुरक्षा कारणों से प्लांट के कुछ हिस्सों में अस्थायी रूप से आपरेशन रोकना पड़ा जिससे गैस सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह के हमले जारी रहे तो खाड़ी देशों की ऊर्जा आपूर्ति प्रणाली बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। यूएई ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि इस संघर्ष को तुरंत रोका जाए क्योंकि इसका असर सिर्फ क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा।

ईरान को तबाह कर देंगे कतर हमले के बाद अमेरिका का आक्रामक रुख

कतर में हमले के बाद प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बेहद सख्त बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ऊर्जा ठिकानों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगा। ट्रंप का यह बयान इस बात का संकेत है कि अमेरिका अब सीधे तौर पर इस संघर्ष में और गहराई से शामिल हो सकता है। उनका कहना है कि अगर ईरान ने अपनी रणनीति नहीं बदली तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

शहीदों को अंतिम विदाई

बदले की कसम के साथ ईरान का सख्त संदेश

ईरान में हमलों में मारे गए लोगों को अंतिम विदाई दी गई, जहां बड़े स्तर पर जनसमूह उमड़ा। इस दौरान नेताओं और सैन्य अधिकारियों ने प्रतिशोध का संकल्प लिया। ईरान का कहना है कि वह हर हमले का जवाब देगा और पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता। यह साफ संकेत है कि आने वाले दिनों में हमले और तेज हो सकते हैं।

खतरा बरकरार लंबी जंग की आशंका

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि लगातार हमलों से ईरान को नुकसान जरूर हुआ है लेकिन उसकी क्षमता अभी खत्म नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार ईरान अभी भी जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम है और उसके पास कई विकल्प मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह जंग जल्द खत्म होने वाली नहीं है। बल्कि आने वाले समय में यह और जटिल और खतरनाक हो सकती है जिसमें कई नए मोर्चे खुल सकते हैं।

सपा के पोस्टर पर सियासी संग्राम

» पोस्टर, में लिखा- हां, मैं हूं अवसरवादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पोस्टर पॉलिटिक्स का दौर शुरू हो गया है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले मुद्दों को जमीन पर उतारने और स्थापित करने की कोशिश चल रही है। इस क्र म में एक पोस्टर इस समय लखनऊ की सड़कों पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। इसमें बड़े अक्षरों में लिखा गया है, हां... मैं हूं अवसरवादी।

समाजवादी पार्टी नेता की ओर से जारी पोस्टर को लेकर चर्चा का बाजार गरमा गया है। इसे ब्राह्मण वोट बैंक की राजनीति के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले दिनों में ब्राह्मणों की नाराजगी का मुद्दा यूपी की राजनीति में खूब गरमाया हुआ है। ऐसे में इस पोस्टर ने अलग हलचल पैदा की है। दरअसल, पिछले दिनों पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र में ऐसा सवाल पूछा गया, जिसने प्रदेश की राजनीति को गरमा दिया। दरोगा भर्ती परीक्षा का सवाल था, अवसर के अनुसार बदल जाने वाला इस वाक्यांश के लिए एक शब्द का चयन कीजिए। इस सवाल के जवाब के तौर पर चार ऑप्शन में पहला पंडित, दूसरा अवसरवादी, तीसरा निष्कपट और चौथा सदाचारी दिया गया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के आवास पर आयोजित रोजा इफ्तार पार्टी में शामिल हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव व अन्य।

सिलिंडर रखकर सपा महिला सभा का प्रदर्शन

राजधानी लखनऊ में सपा महिला सभा की अध्यक्ष ने अपने सिर पर सिलिंडर रखकर रखकर प्रदर्शन किया। प्रदेश सचिव मनीषा ने कहा कि हम भूखे, हमारे बच्चे भूखे हैं। सरकार के दावे हवा हवाई साबित हो रहे हैं।

सपा के नेता सिद्धार्थ मिश्रा की ओर से ये पोस्टर लगवाए गए

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर हां... मैं हूं अवसरवादी के पोस्टर लगाए गए हैं। समाजवादी पार्टी के नेता सिद्धार्थ मिश्रा की ओर से ये पोस्टर लगवाए गए हैं। सिद्धार्थ मिश्रा अंबेडकरनगर से समाजवादी पार्टी के नेता हैं। इस पोस्टर को लेकर कहा जा रहा है कि ब्राह्मणों को अवसरवाद से जोड़ने के खिलाफ यह पोस्टर लगाया गया है। प्रदेश के राजनीतिक महकमे में इस पोस्टर ने अलग चर्चा शुरू कर दी है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर लोकसभा में विस्तृत चर्चा हो : डिंपल

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने केंद्र सरकार से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर लोकसभा में विस्तृत चर्चा का आग्रह किया और कहा कि कहीं यह 'ट्रेड डील' 'ब्लंडर डील' न साबित हो जाए और भारतीय किसानों को तबाह न कर दे। उन्होंने वर्ष 2026-27 के लिए कृषि मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार को दलहन और तिलहन पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करना चाहिए।

बरदोलोई के जाने से कोई फर्क नहीं : इमरान मसूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने नागांव सांसद प्रद्युत बरदोलोई द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि इसमें कोई हिंदू-मुस्लिम मुद्दा शामिल नहीं है और बरदोलोई के दावों को व्यक्तिगत एजेंडे से प्रेरित बताया है। लोकसभा में सहारनपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले और आगामी असम चुनावों के लिए कांग्रेस की चयन समिति के सदस्य मसूद ने कहा कि मेरे प्रति कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं है, बल्कि यह उनका निजी एजेंडा है।

असम में हम कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं। मैंने पार्टी को सही रिपोर्ट सौंपी है। वे मुझसे नाराज नहीं हैं। बस उनका निजी एजेंडा विफल हो गया है। असम में सारा खेल पैसे का है। मसूद ने आगे कहा कि प्रियंका ने प्रद्युत भाई समेत सभी से मुलाकात की थी, लेकिन पार्टी छोड़ने का फैसला उन्होंने ही किया। कांग्रेस के अधिकांश नेता हिंदू हैं। क्या प्रद्युत के जाने से कोई फर्क पड़ रहा है? क्या गौरव अब पार्टी में नहीं हैं? यह हिंदू-मुस्लिम का मामला नहीं है। यह सिर्फ उनका एजेंडा था। इस तरह के बयानों के समय को लेकर मसूद ने कहा कि चुनाव के दौरान इस तरह की बातें अच्छी नहीं होतीं। चुनाव के दौरान कुछ असंतोष होता है, लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सब कुछ ठीक से हो।हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए बरदोलोई ने कांग्रेस छोड़ने का कारण लगातार आंतरिक अपमान और पार्टी नेतृत्व से समर्थन की कमी बताया। उन्होंने असम केंद्रीय चुनाव समिति की एक बैठक का जिक्र किया, जहां मसूद ने कथित तौर पर एक उम्मीदवार के खिलाफ उनके आरोपों को मनगढ़ंत बताकर खारिज कर दिया था। बरदोलोई ने उस उम्मीदवार पर आपराधिक सांठगांठ का आरोप लगाया था। बरदोलोई ने कहा कि कोई एक कारण नहीं है। मैं घुटन महसूस कर रहा था और मेरा अपमान किया जा रहा था।

टाइगर हैबिटेट में बदलाव कर खदानों और रिसॉर्ट्स को लाभ पहुंचाने की साजिश : जूली

नेता प्रतिपक्ष का सरिस्का सीटीएच में बदलाव का आरोप, कांग्रेस ने भजन सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर सरिस्का के क्रि टिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएस) के साथ छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरिस्का के मूल संरक्षित क्षेत्र को कमजोर करने का कोई भी प्रयास न केवल पर्यावरण विरोधी है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के सरकारी दावों की सच्चाई भी उजागर करता है।

जूली ने आरोप लगाया कि सरकार सुनियोजित तरीके से सीटीएस क्षेत्र को बफर जोन में बदलने की कोशिश कर रही है, ताकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बंद की गई 104 खदानों और करीब 100 रिसॉर्ट्स को फिर से शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, जबकि बाघों और जैव विविधता की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह का उल्लेख करते हुए कहा

कि उनके कार्यकाल में बाघ विशेषज्ञों और वन्यजीव प्रेमियों की सलाह से ष्टञ्ज॥ का गठन किया गया था। लेकिन वर्तमान में समिति में माइनिंग से जुड़े लोगों की भागीदारी चिंताजनक है, जिससे निर्णय प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने इसे बड़ा घोटाला करार दिया।

बाघों की बढ़ती संख्या और विचरण क्षेत्र पर चिंता

जूली ने बताया कि केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (ष्टश्वष्ट) की रिपोर्ट संख्या 09/2024 (दिनांक 22 जुलाई 2024) में भी सरिस्का बाघ परियोजना के सीटीएस के युक्तिकरण का उल्लेख है। उस समय बाघों की संख्या लगभग 40 थी, जो अब बढ़कर 52 हो चुकी है। ऐसे में सीटीएस को मजबूत करने की जरूरत है, न कि उसे सीमित करने की। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बाघों की नियमित आवाजाही है और जहां शावकों का जन्म हुआ है, उन्हें अनिवार्य रूप से सीटीएस में शामिल किया जाना चाहिए। इसके विपरीत, सरकार इन क्षेत्रों को बाहर करने की दिशा में कार्य कर रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

केरल की कन्नूर सीट से सुधाकरन का टिकट कटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कांग्रेस हाईकमान का फैसला

कोच्चि। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा पूर्व केपीसीसी अध्यक्ष के. सुधाकरन समेत मौजूदा सांसदों को विधानसभा टिकट देने से इनकार करने के बाद, कन्नूर नगर निगम के पूर्व महापौर टी.ओ. मोहनन को केरल विधानसभा चुनाव 2026 में कन्नूर निर्वाचन क्षेत्र से यूडीएफ उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारे जाने की संभावना है।

मोहनन ने कहा कि उन्हें अभी तक अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। हालांकि, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यूडीएफ के बैनर तले कन्नूर से जो भी चुनाव लड़ेगा, उसे निर्णायक जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व चरण में उम्मीदवारों के चयन को लेकर अक्सर भ्रम और विवाद देखने को मिलते हैं, लेकिन नामांकन अंतिम रूप दिए जाने के बाद ये मुद्दे शांत हो जाते हैं। एआईसीसी के फैसले के बावजूद चुनाव लड़ने पर सुधाकरन के जोर देने पर मोहनन ने कहा कि वे आधिकारिक घोषणा के बाद जवाब देंगे। दिल्ली रवाना होने से कुछ दिन पहले मेरी मुलाकात सुधाकरन से हुई थी। उन्होंने बहुत समर्थन दिया और पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। कोई समस्या नहीं होगी। यूडीएफ की संगठनात्मक शक्ति पर प्रकाश डालते हुए मोहनन ने कहा कि गठबंधन की एक अनूठी प्रणाली है, जिसमें उम्मीदवार व्यक्तिगत संबंधों की परवाह किए बिना गठबंधन से ताकत हासिल करते हैं।

उन्होंने एलडीएफ सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसके एक दशक के शासन ने जनता को कठिनाइयों में डाल दिया है। उनके अनुसार, सीपीआई (एम) कुछ व्यक्तियों और उनके परिवारों की सेवा करने वाली पार्टी बन गई है, जिसकी नीतियां कॉरपोरेट और धनी लोगों के पक्ष में हैं। उन्होंने दावा किया कि सीपीआई (एम) के निराश कार्यकर्ता और पार्टी के भविष्य को लेकर चिंतित लोग आगामी चुनावों में यूडीएफ का समर्थन करेंगे।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

जुलाई तक हो जायेंगे पंचायत चुनाव : ओमप्रकाश

» पंचायती राज मंत्री ने कहा- हाईकोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर चल रही अनिश्चितता के बीच पंचायती राज मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने ये भी साफ कर दिया है कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा और चुनाव प्रक्रि या में कोई अड़चन नहीं आएगी।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि राज्य में ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत चुनाव जुलाई 2026 तक हर हाल में संपन्न करा लिए जाएंगे। राजभर ने कहा कि साल 2021 में पंचायत चुनाव की प्रक्रि या जुलाई महीने में पूरी हो गई थी। इस

बार भी जुलाई तक पंचायत चुनाव संपन्न हो जाएंगे. इसके लिए राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग दोनों तैयार है।ओम प्रकाश राजभर ने बताया कि पंचायत चुनाव कराने की तैयारी तेजी से आगे बढ़ रही है, चुनाव के लिए जिलों में मतपत्र भी छप गए हैं, मतदाता सूची का प्रकाशन भी 15 अप्रैल तक हो जाएगा। चुनाव में ओबीसी आरक्षण को तय करने की लिए आयोग का गठन किया जाना है. जल्द ही ये प्रक्रिया भी पूरी होगी, जिसके बाद आरक्षण प्रक्रिया को फाइनल कर लिया जाएगा। पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण 2011 की जनगणना के आधार पर ही तय किया जाएगा। फिलहाल कोई नई गणना नहीं कराई जाएगी. ओबीसी आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद चुनाव कार्यक्रम को घोषित कर दिया जाएगा। राजभर ने कहा कि भले ही ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, जिला पंचायत अध्यक्षों के कार्यकाल अलग-अलग समय पर खत्म हो रहे हैं लेकिन किसी का कार्यकाल जुलाई 2026 से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा. चुनाव की समय सीमा को ध्यान में रखकर ही चुनाव कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में चुनाव, अपने-अपने दांव

एआईएडीएमके ने डीएमके को निशाने पर लिया

» कांग्रेस व भाजपा भी डटी

» स्टालिन सिर्फ कठपुतली मुख्यमंत्री : पलानीस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में चुनाव की घोषणा के बाद से वहा का सियासी माहौल गर्म है। डीएमके जहां वापसी की कोशिश में वहीं एआईएडीएमके अपना बनवास खत्म करने की जुगत में लगी है। उधर भाजपा व कांग्रेस भी अपनी पूरी तैयारी करके मैदान में डटे हैं। इसी के चलते एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी पलानीस्वामी ने एम.के. स्टालिन को कठपुतली मुख्यमंत्री बताते हुए डीएमके सरकार पर तमिलनाडु को नशा तस्करी का अड्डा बनाने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, जहां स्कूलों के पास गांजा बिक रहा है और हत्याओं के आरोपी खुले घूम रहे हैं। एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने दावा किया है कि डीएमके की मौजूदा सरकार ने तमिलनाडु को नशीली दवाओं की तस्करी का अड्डा बना दिया है और आरोप लगाया है कि लोग सोच रहे हैं कि राज्य सरकार निर्दोष जनता की रक्षा कर रही है या असामाजिक तत्वों को संरक्षण दे रही है। राज्य में कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति को लेकर डीएमके सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने कहा कि डीएमके को सत्ता में आए पांच साल हो गए हैं, लेकिन उन्होंने जनता की परवाह नहीं की, सिर्फ अपने परिवार की चिंता की। डीएमके के सत्ता में आने के बाद से राज्य में अवैध शराब बेरोकटोक बिक रही है।

नशे को लेकर डीएमके सरकार पर निशाना

पलानीस्वामी ने कहा कि स्टालिन सिर्फ कठपुतली मुख्यमंत्री हैं। हम बच्चों को शिक्षा के लिए स्कूल भेजते हैं, लेकिन स्कूल परिसर के पास गांजा बिकने से उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है। हम छात्रों को स्कूल के पास ही शराब पीते हुए देखते हैं। के. आर्मस्ट्रांग (बीएसपी नेता) और कांग्रेस नेता जयकुमार की हत्या कर दी गई, लेकिन दोषियों को अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। हर दिन यौन उत्पीड़न का कोई न कोई मामला दर्ज होता रहता है। पलानीस्वामी ने कहा कि कल्लाकुरिची में अवैध शराब पीने से 68 लोगों की मौत हो गई। हमने सीबीआई जांच की मांग की, लेकिन डीएमके सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर दी। स्टालिन और राज्य सरकार आरोपियों के साथ खड़े रहे। अन्ना विश्वविद्यालय में एक महिला के साथ यौन उत्पीड़न हुआ। डीएमके ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। दोबारा सरकार बनने के बाद, एआईएडीएमके जांच करेगी और सच्चाई सामने लाएगी। दलीय दलों का कहना है कि स्टालिन कठपुतली मुख्यमंत्री हैं।

तमिलनाडु गांजा तस्करी, अवैध शराब बिक्री और ड्रग माफिया का गढ़ बना : पलानी

2021 में एम.के. स्टालिन के मुख्यमंत्री बनने के बाद से तमिलनाडु गांजा तस्करी, अवैध शराब बिक्री और ड्रग माफिया का गढ़ बन गया है। एआईएडीएमके के महासचिव ने दावा किया है कि इस सरकार ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि राज्य में शायद ही कोई ऐसी जगह हो जहां गांजा न मिलता हो। साफ शब्दों में कहें तो, मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि कॉलेज के छात्र और यहां तक कि स्कूली छात्र भी गांजा समेत नशीले पदार्थों का बेपरवाही से सेवन कर रहे हैं।

केरल फतह के लिए बीजेपी का क्रिश्चियन पर भरोसा

केरल विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल फूँकते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को 47 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट की सबसे बड़ी विशेषता ईसाई (क्रिश्चियन)

मतदाताओं को साधने की पार्टी की सोची-समझी रणनीति है। भाजपा ने राज्य के ईसाई गढ़ माने जाने वाले निर्वाचन क्षेत्रों में चार प्रमुख क्रिश्चियन चेहरों को मैदान में उतारा है, ताकि दशकों से जारी एलडीएफ और यूडीएफ के दबदबे को चुनौती दी जा सके।

चंद्रशेखर और मुरलीधरन भी मैदान में

भाजपा ने केवल ईसाई चेहरों ही नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय कद के नेताओं को भी चुनावी दंगल में उतार दिया है- राजीव चंद्रशेखर पूर्व केंद्रीय मंत्री तिरुवनंतपुरम की हाई-प्रोफाइल नेमोम सीट से चुनाव लड़ेंगे। वी. मुरलीधरन पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री को कझाक्कुट्टम सीट की जिम्मेदारी दी गई है। अन्य नाम- शोभा सुरेंद्रन, के. सुरेंद्रन, पद्मजा वेणुगोपाल, और फिल्म निर्माता

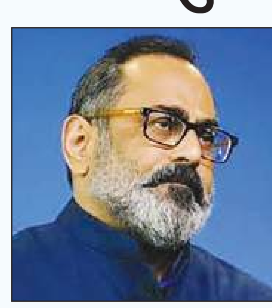

मेजर रवि जैसे नाम भी इस 47 सदस्यीय सूची का हिस्सा हैं। इसके अलावा, पूर्व डीजीपी आर. श्रीलेखा की उम्मीदवारी ने भी सबका ध्यान खींचा है। चंद्रशेखर नेमोम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, जबकि मुरलीधरन को कझाकूटम से मैदान में उतारा गया है, ये दोनों ही तिरुवनंतपुरम जिले के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र हैं। भाजपा ने पूर्व विधायक अजित को भी वैकोम निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा है, जो हाल ही में सीपीआई छोड़कर पार्टी में शामिल हुए थे। केरल में विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होनी तय है।

इन चेहरों पर दांव

पार्टी ने मध्य केरलकी महत्वपूर्ण सीटों पर इन चेहरों पर दांव लगाया है। जॉर्ज कुरियन (कंजिरापल्ली): वर्तमान केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन कोट्टायम जिले की कंजिरापल्ली सीट से चुनाव लड़ेंगे। ईसाई-बहुल इस क्षेत्र में कुरियन की पकड़ भाजपा के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। पीसी जॉर्ज (पूंजर) सात बार के विधायक और दिग्गज नेता पीसी जॉर्ज अपनी पारंपरिक सीट पूंजर से ताल ठोकेंगे। 33 वर्षों तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जॉर्ज का अनुभव भाजपा के लिए बेहद अहम है। शोन जॉर्ज (पाला) युवा नेता और पीसी जॉर्ज के बेटे शोन जॉर्ज को पाला निर्वाचन क्षेत्र से टिकट दिया गया है। जिला पंचायत सदस्य और वकील शोन को पार्टी के भविष्य के चेहरे के रूप में देखा जा रहा है। अनूप एंटनी जोसेफ (तिरुवल्ला) भाजपा के प्रदेश महासचिव अनूप एंटनी जोसेफ पठानमथिट्टा के तिरुवल्ला से चुनाव लड़ेंगे। यह क्षेत्र ईसाइयों का मजबूत गढ़ माना जाता है।

राज्य सभा चुनावों में एनडीए की बल्ले-बल्ले

कांग्रेस के तीन विधायकों ने मतदान नहीं किया

» महागठबंधन को झटका

» उम्मीदवार से नाराजगी थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राज्य सभा चुनावों में एनडीए को लाभ हुआ है। बिहार में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है। बिहार में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है। बिहार में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है।

की संभावनाओं पर संकट के बादल छा गए। मतदान न करने वालों में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक फैसल रहमान और कांग्रेस के तीन विधायक मनोहर प्रसाद, सुरेंद्र कुशवाहा और मनोज बिस्वास शामिल थे।

महागठबंधन के विधायकों को एकजुट नहीं रख पाए

हालांकि, बड़ा झटका तेजस्वी यादव को लगा जो महागठबंधन के विधायकों को एकजुट नहीं रख पाए। इस बीच राज्यसभा चुनाव में मतदान न करने पर कांग्रेस नेता मनोज बिस्वास ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि आपने देखा ही होगा कि हमारा शीर्ष नेतृत्व, हमारे प्रदेश अध्यक्ष, इस चुनाव में शामिल नहीं थे। हमें मनोनीत उम्मीदवार पसंद नहीं आया। हम अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों से विधायक बनते हैं। हमें उम्मीदवार पसंद नहीं आया, इसीलिए हमने अपना वोट नहीं डाला।

नीतीश कुमार व नितिन नबीन जीते

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार राज्यसभा चुनाव 2026 में निर्णायक जीत हासिल की और सुनियोजित चुनावी रणनीति के दम पर सभी पांच सीटें जीत लीं। जीतने वाले प्रमुख नेताओं में जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार शामिल हैं, जिन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा के बाद राज्यसभा में प्रवेश किया है। एनडीए के अन्य विजयी उम्मीदवारों में भारतीय जनता पार्टी के नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री राम नाथ ठाकुर, भाजपा नेता शिवेश कुमार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं।

पांचों सीटें जीतकर विपक्ष को दिया करारा झटका

तीन कांग्रेस विधायकों की अनुपस्थिति से आरजेडी में आक्रोश फैल गया है। पार्टी के नेता निजी तौर पर कांग्रेस पर अपने भीतर असंतोष को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगा रहे हैं। इस घटना ने दोनों सहयोगी दलों के बीच समन्वय की पिछली विफलताओं की याद भी ताजा कर दी है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाते हुए कहा कि गठबंधन के खिलाफ मतदान करने वाले या मतदान से अनुपस्थित रहने वाले विधायकों को प्रलोभन दिए गए थे। उन्होंने कहा कि हम उनसे लड़ने के लिए तैयार हैं और हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गैस लेने की कतार को नकारो न सरकार

"पिछले सात-आठ साल से हम लोग गैस व तेल पर निर्भर है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं।"

सरकार भले ही दावा कर रही है कि भारत में गैस व तेल का कोई संकट नहीं है। पर इनसब दावों के उलट गैस लेने के लिए लंबी-लंबी कतारे कु छ और हीं बयां कर रही है। आम आदमी की चिंता जायज है आखिर अगर गैस उसे नहीं मिलेगा तो उसको भोजन का संकट हो सकता है। पिछले सात-आठ साल से हम लोग गैस व तेल पर निर्भर है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है। भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता।

शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है। इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्त्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती। मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एक रोशन पंजाब के लिए आगे की राह

ज्योति मल्होत्रा

गत सप्ताह की शुरुआत में, मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलताओं की गूंज पंजाब विधानसभा में सुनाई दी। यहां भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। निश्चित रूप से ऐसा पहली बार हुआ। यकीकन, प्रस्ताव पारित करने की बात तो छोड़ें, विदेश नीति पर उपदेश देना विधानसभाओं का काम नहीं। लेकिन इन दिनों राजनीति में इतनी कड़ुवाहट है कि ख्यात आर्किटेक्ट ली कॉर्बूजिए द्वारा डिजाइन की गयी पंजाब विधानसभा की शानदार इमारत भी सड़कछाप शोरगुल से बच नहीं पाई। पंजाब में शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने एक बड़ी रैली की। भाजपा ने इस बेहद महत्तवपूर्ण सीमावर्ती राज्य में चुनावी बिगुल फूंकते हुए अपनी दावेदारी का मंसूबा जाहिर कर दिया। एक साल से भी कम समय में यहां नई सरकार बनेगी। ऐसे में भाजपा खुद से -और पंजाब से- सवाल कर रही है कि वह उस काम को क्यों नहीं कर सकती जो अब तक सोच से परे था यानि पंजाब को 'केसरिया' रंग में रंग देना।

केसरिया रंग यानी बलिदान का रंग- एक जाना-पहचाना और प्रिय, खासकर सिखों के लिए। अब तक पार्टी की हालत 6-7 विधायकों तक सीमित रही है। भले ही अमित शाह लेनिन के उस कथन से प्रेरणा लेने की कोशिश करें 'मुझे सत्ता सेंट पीटर्सबर्ग की सड़कों पर पड़ी मिली, उसे उठा लिया' और यूं क्रांति लाने में कामयाब हुए-लेकिन भाजपा, कम से कम फिलहाल, पा रही है कि 'पांच नदियों की धरती' (अब तीन) के लोग कुछ अलग किस्म के हैं। निस्संदेह, पंजाब तमाम चुनौतियों से रूबरू है। नशे के भंवर से निकलने का कोई रास्ता नज़र नहीं आता। इस बारे मेरी सहयोगी अपर्णा बनर्जी की दोआबा क्षेत्र के मैहतपुर में 19 वर्षीय लड़के की मौत की निराशाजनक रिपोर्ट जरूर पढ़ें, महज पंद्रह दिनों में नशे के कारण जान गंवाने वाला वह तीसरा व्यक्ति था। इसके अलावा, आयेदिन विदेश स्थित गैंगस्टरों के गुर्गों द्वारा पंजाब में दिनदहाड़े अपने दुश्मनों को मारने की खबरें आती रहती हैं।

सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने सभी वित्तीय सावधानियां ताक पर रख एक ऐसा बजट पेश किया, जिसमें हरेक को कुछ न कुछ देने का वादा किया गया है- इसमें महिलाओं के लिए हर माह 1000 रु. प्रति माह (राज्य की 3 करोड़ जनसंख्या की एक-तिहाई अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रु.) देने की बात कही है। इसे बतौर 'ब्रह्मास्त्र' देखा जा रहा है। मगर इतना धन कहां से आयेगा। पंजाब पर पहले ही 4.17 लाख करोड़ रु. कर्ज है व ब्याज अदायगी में ही 1.16 लाख करोड़ खप जाते हैं, वहीं इस राज्य का जीडीपी दूसरे सबसे निचले स्थान पर है। बड़ी सफाई से, सिर्फ महिलाओं पर केंद्रित यह दांव सीधे प्रधानमंत्री मोदी के तरकश से लिया गया- आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यह दांव अच्छी तरह सीख लिया। गत सप्ताह के आखिर में मोहाली में हुआ 'निवेश शिखर सम्मेलन' शायद देर से आयोजित किया, बेशक इसका मकसद अच्छे वादे हैं। बदकिस्मती से, आप ने देश-विदेश में खुद को नये सिरे से खड़ा करने की काबिलियत रखने वाले पंजाबी उद्यमियों के अनुभव का फायदा नहीं उठाया- याद रहे, नवर्निर्माण करने में कनाडा की 2 करोड़ आबादी पंजाब का 24वां जिला बन सकता है। जबकि,पिछली कांग्रेस सरकार के 'पंजाब इनोवेशन मिशन' में कुछ बेहतरीन विचार शामिल थे। अफसोस कि मौजूदा मिशन पिछले वाले की परछाई भर है; क्योंकि भगवंत मान की नौकरशाही नए सिरे से सब कुछ करने में इतनी उलझी रही कि उसे अतीत केअच्छे विचारों पर सोचने का समय नहीं बचा। और यहां भगवंत मान हैं। कुछ दिन पहले लुधियाना में दिए गए एक भाषण में महिलाओं पर की गई अपनी सतही टिप्पणियों के लिए मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना हुई; भले ही यह कहा जाए कि वे तो अपनी युवावस्था की शरारतों को याद कर रहे थे, लेकिन कम भद्दे शब्द भी प्रयोग किए जा सकते थे (जहां तक कांग्रेसी

सुखपाल खैहरा द्वारा 1000 रुपये महिला भत्ते को 'नाचने वाली औरतों' से जोड़ने की बात है, पार्टी को तुरंत उन्हें कालापानी भेज देना चाहिए, जहां पर वे पश्चाताप करें और माफी मांगें -आगे, उन्हें पंजाब की महिलाओं के कोप से सावधान रहना होगा)।

पंजाब के तमाम मर्दों को, खैहरा सहित, मालूम हो कि ये 'नाचनेवालियां' ईमानदारी से दिनभर काम करती हैं, और किसी की भीख या खैरात पर निर्भर नहीं हैं। जहां तक सवाल है कि कौन किस 'कठपुतली नचाने वाले' के इशारे पर नाच रहा है- तो इसका फैसला अभी होना बाकी है और यह फैसला जनता करेगी; न सिर्फ अगले साल पंजाब में, बल्कि इस साल पश्चिम बंगाल, असम और केरल में भी। लेकिन बात फिर से भगवंत मान की। अपने हीमोग्लोबिन जांच के लिए उनके बार-बार अस्पताल जाने से भौंहें तनती हैं- क्योंकि पंजाब का हीमोग्लोबिन स्तर तो काफ़ी समय से ऊंचा ही बना हुआ है।

मस्तिष्क की सेहत पर मंडराता प्लास्टिक कणों का खतरा

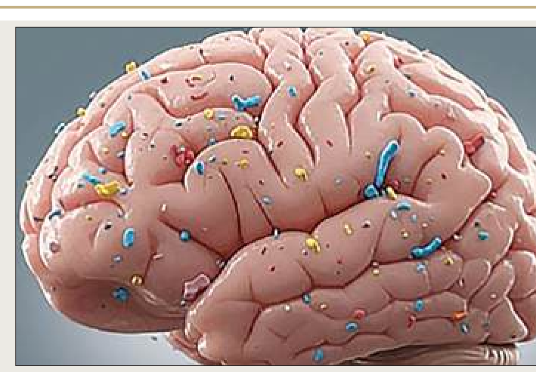

मुकुल व्यास

प्लास्टिक के सूक्ष्म कण पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक के कण अथवा प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े हवा से लेकर पानी और खाने तक हर चीज में पाए गए हैं। अब डोनेट किए गए 52 मानव मस्तिष्कों पर हुए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि ये माइक्रोप्लास्टिक कण मस्तिष्क के अंदरूनी हिस्सों में जमा हो सकते हैं। शोधकर्ताओं को मस्तिष्क के हर सैंपल में पॉलीइथाइलीन और दूसरे पॉलिमर के निशान मिले और उन्होंने देखा कि हाल के सैंपल में पुराने सैंपल के मुकाबले इनकी मात्रा ज्यादा थी। वैज्ञानिकों ने पाया कि 2024 में लिए गए सैंपल में प्लास्टिक की मात्रा 2016 में देखी गई मात्रा से अधिक थी,जिससे पता चलता है कि मस्तिष्क में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर लगातार बढ़ रहा है। नई रिसर्च का नेतृत्व अमेरिका की न्यू मेक्सिको यूनिवर्सिटी में टॉक्सिकोलॉजी के प्रोफेसर मैथ्यू कैम्पेन ने किया है।

उन्होंने माइक्रोप्लास्टिक के उपयोग में सावधानी बरतने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा दुनियाभर में बढ़ता प्लास्टिक उत्पादन प्रदूषण की एक मुख्य वजह है। विशेषज्ञों ने यह भी जांच की कि क्या कुछ खास परिस्थितियां इन वस्तुओं के जमाव को और बढ़ा देती हैं। उन्होंने डिमेंशिया के मरीजों के एक ग्रुप को देखा जिनके मस्तिष्क में दूसरे सैंपल के मुकाबले तीन से पांच गुना ज्यादा प्लास्टिक के कण थे। वैज्ञानिक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से देखे गए टुकड़ों के आकार देखकर हैरान गए। इन टुकड़ों में साफ-सुथरे गोलों के बजाय,कई दांतेदार, परत जैसी संरचनाएं थी। ऐसे ऊबड़-खाबड़ आकार वाले माइक्रोप्लास्टिक चिकने, गोल आकार वाले माइक्रोप्लास्टिक की तुलना में कोशिकाओं के साथ अलग तरीके से क्रिया कर सकते हैं। पहले किए गए अनेक अध्ययनों में विभिन्न मानव अंगों,जैसे रक्त धमनियों, किडनी और प्लेसेंटा में प्लास्टिक के अपशिष्ट पाए गए हैं।

प्रयोगशाला में चूहों के मॉडल पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि थोड़े समय के लिए सिंथेटिक पार्टिकल के संपर्क में आने से भी कई अंगों में सूजन हो सकती है। कुछ वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इन पार्टिकल की वजह से खास बीमारियों का पता लगाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि प्लास्टिक का संपर्क लगभग हर जगह होता है। एक अन्य रिसर्च टीम ने देखा कि मस्तिष्क के ऑलफैक्ट्री बल्ब में माइक्रोप्लास्टिक मौजूद थे, जिससे पता चलता है कि इन टुकड़ों के नर्वस टिशू में घुसने के कई रास्ते हैं। ध्यान रहे कि ऑलफैक्ट्री बल्ब मस्तिष्क का वह हिस्सा है जहां गंध की प्रोसेसिंग होती है। नई रिसर्च इस बात के प्रमाण देती है कि माइक्रोप्लास्टिक कण मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स में और भी गहराई तक जा सकते हैं। ये कण मस्तिष्क की कुशाग्रता या दूसरे कार्यों पर कैसे असर डाल सकते हैं, इस बारे में बहुत सारे सवाल हैं जिनके जवाब नहीं मिले हैं। कुछ वैज्ञानिक बताते हैं कि डिमेंशिया वाले लोगों के दिमाग में अक्सर फिल्टरिंग सिस्टम कमजोर हो जाते हैं, जिससे यह साफ नहीं होता कि प्लास्टिक की ज्यादा मात्रा ऐसी स्थितियों में योगदान करती है या यह मात्रा इसलिए ज्यादा होती है क्योंकि दिमाग उन्हें ठीक से साफ नहीं कर पाता।

जानवरों पर किए गए एक अध्ययन में माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क को याददाश्त में मामूली बदलाव और मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में शुरुआती सेलुलर स्ट्रेस (कोशिकीय तनाव) के संकेतों से जोड़ा गया है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि इंसानों पर हुए अध्ययन में यह साफ होने में सालों लग सकते हैं कि क्या माइक्रोप्लास्टिक कण सीधे स्नायु संबंधी दिक्कतें लाते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी जिस तरह प्लास्टिक का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है और जिस तरह सूक्ष्म प्लास्टिक हवा, खाने और पानी के जरिए हर जगह फैल रहा है, उसे देखते हुए इस समस्या का कोई जल्दी समाधान नहीं निकल सकता। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि जब माइक्रोप्लास्टिक को दिमाग और दूसरे जरूरी अंगों में जाने से रोकने के लिए औद्योगिक अपशिष्ट के निपटान के बारे में कड़े नियम बनाना बहुत जरूरी है। कुछ अन्य विशेषज्ञों ने कहा कि किस प्लास्टिक की छोटे-छोटे टुकड़ों में विखंडित होने की सबसे ज्यादा संभावना है, इस पर हमें और डेटा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कणों के आकार और रासायनिक बनावट में अंतर मायने रखता है। समुद्री जीव वैज्ञानिकों ने बताया है कि समुद्रों में प्लास्टिक के कचरे के बारे में शुरुआती चेतावनियों को ज्यादातर नजरअंदाज किया गया था, इसलिए इंसानी सेहत के लिए जरूरी उपायों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ प्लायमाउथ के प्रोफेसर रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा है कि इन प्लास्टिक कणों को सेहत के नतीजों से जोड़ना एक बड़ी चुनौती है। थॉम्पसन ने ही सबसे पहले 'माइक्रोप्लास्टिक' शब्द का इस्तेमाल किया था। प्लास्टिक कणों का पता लगाने के नए तरीके वैज्ञानिकों को वह देखने में मदद कर रहे हैं जो कभी दिखाई नहीं देता था। पिछले दस सालों में एडवांस्ड इमेजिंग टूल्स और रासायनिक विश्लेषण ज्यादा सटीक हो गए हैं, जिससे नतीजों पर भरोसा बढ़ता है। फिर भी, कई लोगों को चिंता है कि समस्या मौजूदा टेस्टों से ज्यादा बड़ी हो सकती है। अध्ययनों में उम्र,स्वास्थ्य की स्थिति और लाइफस्टाइल के फैक्टर्स का मुद्दा भी उठाया गया है, जो एक व्यक्ति के शरीर में दूसरे की तुलना में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा पर असर डाल सकते हैं।

घर पर ऐसे बनाएं व्रत के स्नैक्स

जब व्रत रखे जाते हैं तो व्रत में अन्न नहीं खाया जाता है और फलाहार व सात्विक भोजन का सेवन होता है। व्रत के दौरान हल्की-हल्की भूख लगना भी सामान्य है। ऐसे में कुछ ऐसी फलाहारी रेसिपी बनाएं जो झटपट तैयार हो जाती हों और जिसे बनाने में बहुत अधिक सामग्री की भी जरूरत न हो। फलाहारी व्रत के स्नैक्स में कई विकल्प हैं जो पौष्टिक, झटपट वाले और कम सामग्री में तैयार हो जाते हैं। आलू वाली व्रत की रेसिपी से अलग, मखाने, नारियल, केला, या पनीर जैसी पौष्टिक चीजों से इन स्नैक्स को आसानी और कम वक्त में बना सकते हैं। कुछ स्नैक्स तो ऐसे हैं जिन्हें तो से तीन दिन स्टोर करके भी रखा जा सकता है। इसलिए व्रत के लिए ऐसे चार फलाहारी स्नैक्स हैं जो सिर्फ 10 मिनट में बनाई जा सकती हैं। इस व्रत के स्नैक्स को तीन चीजों से बना सकते हैं और दो-तीन दिन स्टोर कर सकते हैं।

रोस्टेड मखाना

व्रत के स्नैक्स में सबसे आसानी से रोस्टेड मखाना बना सकते हैं। इसके लिए घी में मखाने को सुनहरा होने तक भूनें। जब वह क्रिस्पी हो जाए तो उसमें सेंधा नमक मिला सकते हैं। सिर्फ मखाने और सेंधा नमक को मिलाकर आप फलाहारी कुरकुरी नमकीन बना सकते हैं। जिसे एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करके आप हफ्तेभर तक खा सकते हैं। ये जल्दी बन जाने वाली रेसिपी है और भूख को नियंत्रित रखने के साथ ही एनर्जी बढ़ाती है। कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर मखाना स्वास्थ्य के लिए काफी हेल्दी होता है। इसे कुछ लोग रोस्ट करके खाते हैं। यह कैल्शियम से भरपूर होता है, जो आपके मसल्स को मजबूती प्रदान करता है। इससे हड्डियों का विकास अच्छा होता है। साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम कर सकता है।

कुट्टू चिप्स

कुट्टू की पूड़ी और परांठे तो खाए होंगे लेकिन कुट्टू चिप्स भी काफी स्वादिष्ट लगता है। कुट्टू के आटे में थोड़ा पानी और नमक मिलाकर सख्त आता गूंथ दें। छोटी-छोटी पूरियां बेलें, कांटे से उसमें छेद करके धीमी आंच पर तलें। ये चिप्स जैसे बन जाएंगे, जिसे दो तीन दिन स्टोर कर सकते हैं।

केला नारियल रोल्स

कुछ मीठा खाने की क्रेविंग हो तो केले से हेल्दी स्नैक्स बना सकते हैं। इसके लिए पके हुए केले को शहर में डालकर मैश करें। इसे नारियल के बुरादे में रोल करें और तैयार हैं हेल्दी रोल्स, जिन्हें आप तीन से चार दिन स्टोर कर सकते हैं। इसके अलावा कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फाइबर और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्वों से भरपूर नारियल के एक टुकड़े का रोजाना सेवन किया जाए तो पाचन से जुड़ी परेशानियों से निजात पाई जा सकती है। कैल्शियम से भरपूर नारियल का सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं। दिल को हेल्दी रखने में नारियल का सेवन बेहद उपयोगी है।

फलाहारी पनीर टिक्का

पनीर में प्रोटीन होता है, कैल्शियम और विटामिन बी 12 जैसे पोषक तत्व होते हैं। उपवास के दौरान पनीर का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए पनीर को मोटे टुकड़ों में काटकर सेंधा नमक मिलाएं। फिर तवे पर घी डालकर सेंक लें। पनीर बाहर से क्रिस्पी और अंदर से हल्के सॉफ्ट बन जाएंगे। भुना पिसा जीरा, अमचूर पाउडर या व्रत में आप जिन मसालों का सेवन करते हैं, ऊपर से स्प्रिंकलर करके व्रत में खा सकते हैं। इसे दो तीन दिन स्टोर करने के लिए पनीर को शांटे करके एयरटाइट डिब्बे में रखें।

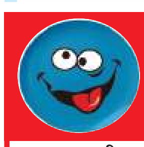

हंसना मना है

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी, दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी, तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी, इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है? लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं।

टीटी ने चिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं.... दूसरो के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं...बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है.... बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

दो बीवीयां मेले में खो गईं, एक गांव से और एक शहर से.. बीवी ढूंढते हुए दोनों पुरुष आपस में मिले..गांव वाले ने पूछा-तुम्हारी वाली की पहचान? शहरी बोला- 5'7?, गोरी, भूरी आंखें, पतली, पिंक टीशर्ट और मिनी स्कर्ट पहनी है आलिया भट्ट जैसी और तुम्हारी? गांव वाला-बोला, हमारी छोड़ो चलो तुम्हारी ढूंढते है..!

कहानी | महिलामुख हाथी

बहुत समय पहले की बात है राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में एक हाथी रहता था। उसका नाम था महिला मुख। महिला मुख हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। चोर अक्सर अगले दिन की योजना भी बनाते कि किसे और कैसे लूटना है। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। महिला मुख हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। कुछ दिन बाद महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए, महिला मुख ने फैसला लिया कि अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत पर वार किया और महावत को पटक-पटक कर मार डाला। इतने अच्छे हाथी की ऐसी हरकत देखकर सारे लोग परेशान हो गए। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। इस तरह बिगड़ैल हाथी ने चार महावत कुचल दिए। महिला मुख के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण था यह किसी को समझ नहीं आ रहा था। जब राजा को कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उसने एक बुद्धिमान वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। राजा ने वैद्य जी से आग्रह किया कि जितनी जल्दी हो सके महिला मुख का इलाज करें, ताकि वो राज्य में तबाही का कारण नहीं बन सके। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की कड़ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी।

वृषभ

आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। लाभ होगा।

सिंह

धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मकर

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन

राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का बदल गया नाम

बॉलीवुड | मसाला

आ सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है। फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है।

उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि

सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। जबकि फिल्म को सलमान खान फिल्म्स द्वारा के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में गोविंदा के भी नजर आने की संभावना है। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

फिल्म मैं हूं ना 2 में डबल रोल में नजर आयेंगे शाहरुख खान?

शा हरुख खान इन दिनों अपनी एक्शन फिल्म किंग को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि किंग में जबरदस्त एक्शन के बाद शाहरुख किस तरह की फिल्म करना चाहता है।

शाहरुख इन दिनों सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी फिल्म किंग की शूटिंग पूरी करने वाले हैं। पिंकविला की एक खबर के अनुसार, कई एक्शन फिल्मों के बाद, शाहरुख रोमांस की ओर लौटना चाहते हैं। शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्मों की प्लानिंग कर रहे हैं। उनकी फिल्म किंग दिसंबर

2026 में रिलीज होगी। किंग की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है।

शाहरुख खान रोमांस वाली फिल्मों के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें एक बड़े बजट की, पुराने स्टाइल की, मैच्योर रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऑफर मिला है। वह इस स्क्रिप्ट पर गंभीरता से सोच रहे हैं। यह फिल्म उनकी पुरानी रोमांटिक भूमिकाओं की कॉपी नहीं होगी, बल्कि अलग कहानी होगी। इसमें बहुत सारी भावनाएं और ड्रामा होगा। इससे वह फिर से रोमांस के बादशाह की तरह नजर आएंगे।

कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा शाहरुख निर्देशक फराह खान के साथ फिर से काम कर सकते हैं। यह फिल्म मैं हूं ना 2 हो सकती है। इसमें शाहरुख डबल रोल में नजर आ सकते हैं। अभी इसकी स्क्रिप्ट तैयार हो रही है। शाहरुख दोनों प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह जून 2026 तक अपनी अगली फिल्म का फैसला ले लेंगे। इसके लिए वह इंडस्ट्री के कई लोगों से मिल भी रहे हैं।

किंग 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के समय रिलीज हो सकती है। उसके बाद जनवरी या फरवरी 2027 में शाहरुख अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस नई फिल्म के लिए एक बड़े नाम के डायरेक्टर से भी बात चल रही है।

बॉलीवुड | पुरस्कार

दीपिका पादुकोण भी ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में हुईं शामिल!

98वीं ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी संपन्न हो चुकी है। इवेंट से फैंस के फेवरेट स्टार्स के फोटोज भी वायरल हो रहे हैं। इसी बीच दीपिका पादुकोण की भी एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें वो ऑस्कर के रेड कारपेट पर फोटो खिंचवाती नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक वीडियो भी वायरल है जिसे लेकर यह दावा किया गया कि हॉलीवुड एक्टर टिमोथी चेलमेट भी ऑस्कर सेरेमनी की सीढ़ियों से नीचे गिर गए। दीपिका के फैंस उनके हर अपियरेंस को काफी फॉलो करते हैं। कोई अवॉर्ड शो हो या फिर फंक्शन वो हमेशा उनकी एक झलक देखने के लिए बेकरार रहते हैं। सोमवार को दीपिका की एक फोटो वायरल हुई जिसमें वो ऑस्कर के रेड कार्पेट पर खड़ी होकर पोज देती दिख रही हैं। वहीं एक और तस्वीर सामने आई जिसमें वो व्हाइट गाउन पहने ऑस्कर की आफ्टर पार्टी में पोज दे रही हैं। हालांकि, सच तो यह है कि दीपिका ने ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में हिस्सा ही नहीं लिया। ये वायरल फोटो एआई की मदद से बनाए गए हैं। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की तस्वीरें सामने आने के बाद एक और वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में हॉलीवुड एक्टर टिमोथी चेलमेट रेड कार्पेट पर सीढ़ियों से गिरते हुए नजर आए। इन तस्वीरों में टिमोथी सफेद रंग क्रे सूट में दिखाई दे रहे हैं। वहीं सिक्योरिटी गार्ड्स उन्हें पकड़ते नजर आ रहे हैं। हालांकि, ऑस्कर में ऐसी कोई घटना नहीं हुई और साफ हो गया कि यह वायरल वीडियो भी एआई जनरेटेड है। ऑस्कर 2026 का आयोजन हो चुका है और विजेताओं की घोषणा भी की जा चुकी है। इस बार लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने सबसे ज्यादा छह अवॉर्ड अपने नाम किए। इसके अलावा चार अवॉर्ड्स 'सिनर्स' ने अपनी झोली में डाले। प्रियंका चोपड़ा बतौर अवॉर्ड प्रेजेंटर ऑस्कर अवॉर्ड्स में शामिल हुईं। वे अपने पति निक जोनस के साथ रेड कार्पेट पर नजर आईं।

2 सालों से दुनिया घूम रही ये लड़की, नहीं देना पड़ता किराया, रहना-खाना बिल्कुल फ्री!

दुनिया में शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा जिसे अपने सपनों को पूरा करने के दौरान पैसों की चिंता नहीं होती होगी। इंसान के सपने जितने बड़े होंगे, उसे उन्हें पूरा करने के लिए उतने ज्यादा पैसों की जरूरत पड़ेगी। मगर एक महिला ने अपने ट्रैवल करने के सपने को पूरा किया और इस दौरान उसे पैसों की चिंता नहीं करनी पड़ी। आखिर कैसे? अगर आपके मन में भी ये सवाल आया है, तो आपको ये खबर पूरी जरूर पढ़ लेनी चाहिए। सारा नाम की एक महिला सोशल मीडिया पर @sarahmonaco99 के तौर पर जानी जाती है। उसने हाल ही में लोगों को बताया कि वो कैसे अपने ट्रैवलिंग के शौक को बिना पैसे खर्च किए पूरा कर रही है। दरअसल, वो एक लग्जरी यॉट पर काम करती है जहां उसकी सारी बेसिक जरूरतों को पूरा कर दिया जाता है, और उसके लिए पैसे नहीं चुकाने पड़ते। उसकी लगभग पूरी सैलरी वो सेव कर लेती है क्योंकि उसे रेंट, खाना, या बिजली-पानी के लिए पैसे नहीं देने पड़ते। सारा के अनुसार यॉट पर सब कुछ पहले से कवर कर लिया जाता है। जिसमें उसका रहना, 3 वक्त का खाना, टॉयलेट्रीज़, और नाव से तट तक और तट से नाव तक के सफर का खर्च भी कंपनी के द्वारा ही दिया जाता है। उनका कहना है कि बीते 2 सालों में उन्होंने रहने-खाने के लिए एक रुपये भी नहीं खर्च किए हैं। इस वजह से उन्होंने काफी रुपये सेव कर लिए। 24 साल की उम्र आते-आते उनके पास इतने रुपये बच गए कि उन्होंने अपने नए अपार्टमेंट के लिए डिपॉजिट दे दिया। वो ये जानकर हैरान होती हैं कि उनके कई दोस्त जो 9 से 5 की नौकरी करते हैं, अभी तक बचत कर रहे हैं और डिपॉजिट देने जितने पैसे उनके पास नहीं हो पाए हैं। सारा ने ये भी बताया कि दूसरे कैसे इस तरह की जॉब में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई फ्रेशर्स लोग एजेंसी के जरिए काम ढूंढते हैं। इसके लिए पहले से किसी एक्सपीरियंस की जरूरत नहीं होती। सिर्फ कड़ी मेहनत करने की इच्छा होनी चाहिए। कई लोगों ने उनसे पूछा कि उनके काम के वर्किंग आवर्स क्या हैं और क्या क्रू के सदस्यों को मेहमानों के साथ पार्टी करने को मिलता है? उन्होंने बताया कि कई बार उन्हें यॉक पर अलग-अलग तरह के सरप्राइज भी मिल जाते हैं। जैसे एक बार एक क्रू मेंबर ने रात के वक्त यॉक को बढ़ाने का फैसला किया था, जिससे उसे तारे साफ नजर आएं। इस वजह से क्रू ने यॉट को लगातार 2 घंटे तक चलाया था। पर तारे उसी तरह नजर आ रहे थे। एक बार तो एक अमीर मेहमान ने कर्मचारियों को 13 लाख रुपये की टिप दे दी थी। जबकि एक बार एक मेहमान ने 5 लाख रुपये तक का लग्जरी खाना मंगवाया था, पर उसने उसे खाया नहीं, तो फिर यॉट के कर्मचारियों ने उसे खा लिया था।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे छोटी गगनचुंबी इमारत

इस 40 फीट की बिल्डिंग के पीछे छिपी है अरबों की ठगी की दास्तां

दुनिया में ठगी के किस्से तो आपने बहुत सुने होंगे, लेकिन क्या कभी सुना है कि किसी ने एक पूरी इमारत ही धोखे की बुनियाद पर खड़ी कर दी हो? अमेरिका के टेक्सास में एक ऐसी ही बिल्डिंग है, जिसे 'दुनिया की सबसे छोटी गगनचुंबी इमारत' कहा जाता है। यह महज 40 फीट ऊंची है, लेकिन इसके बनने की कहानी किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं है। टेक्सास के विचिटा फॉल्स में स्थित न्यूबी-मैकमोहन बिल्डिंग आज भले ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हो, लेकिन 100 साल पहले यह शहर के लिए एक शर्मनाक घोटाले का प्रतीक थी। इस कहानी की शुरुआत 1900 के दशक में हुई, जब उत्तरी टेक्सास के विचिटा फॉल्स में तेल की खोज हुई। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोग रातों-रात करोड़पति बन गए। हर तरफ नए ऑफिस और बिजनेस स्पेस की भारी मांग थी। इसी मौके का फायदा उठाने के लिए जेडी मैकमोहन नाम का एक शातिर आदमी सामने आया। उसने निवेशकों के सामने एक विशालकाय गगनचुंबी इमारत बनाने का प्रस्ताव रखा।

मैकमोहन ने अपनी बातों के जाल में फंसाकर निवेशकों से आज के हिसाब से 56 करोड़ रुपये इकट्ठा कर लिए। मैकमोहन ने ब्लूप्रिंट तैयार किया

और निवेशकों से हस्ताक्षर ले लिए। उत्साहित निवेशकों ने उस वक्त एक बारीक विवरण पर ध्यान नहीं दिया, जो मैकमोहन की पूरी साजिश का आधार था। ब्लूप्रिंट में बिल्डिंग की ऊंचाई 480 तो लिखी थी, लेकिन उसके आगे फीट के बजाय इंच का निशान लगा था। जब तक निर्माण शुरू हुआ और निवेशकों को अहसास हुआ कि बिल्डिंग उनकी उम्मीद से बहुत छोटी बन रही है, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मैकमोहन ने चालाकी से अपने ही क्रू का इस्तेमाल किया और बिल्डिंग के पूरा होते ही वह सारा पैसा लेकर शहर से रफूचक्कर हो गया। जब निवेशकों ने ठगे जाने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया, तो वहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी। जज ने मामले को यह कहकर खारिज कर दिया कि ब्लूप्रिंट में स्पष्ट रूप से 480 इंच लिखा था और निवेशकों ने इसे पढ़े बिना हस्ताक्षर किए थे। इसलिए कानूनी रूप से मैकमोहन ने वही बनाया था जिसका उसने वादा किया था।

स्थिति इतनी हास्यास्पद हो गई कि जब लिफ्ट लगाने वाली कंपनी को इमारत के असली आकार का पता चला, तो उन्होंने काम करने से मना कर दिया। नतीजा यह हुआ कि शुरुआत में ऊपरी मंजिलों तक जाने के लिए बाहरी लोहे की सीढ़ी का इस्तेमाल करना पड़ता था। बाद में अंदर सीढ़ियां बनाई गईं, लेकिन इमारत इतनी संकरी थी कि सीढ़ियों ने ही 25 प्रतिशत जगह घेर ली। 1919 में इस नन्हें गगनचुंबी इमारत का काम पूरा हुआ, लेकिन इसके तुरंत बाद ऑयल सेक्टर में मंदी का दौर शुरू हो गया। सालों तक यह बिल्डिंग खंडहर पड़ी रही। कई बार इसे गिराने की योजना भी बनी, लेकिन स्थानीय लोगों ने इस 'ठगी की निशानी' को बचाने के लिए संघर्ष किया। अंततः इसे नेशनल हिस्टोरिक रजिस्टर में शामिल किया गया। आज यह 480 इंच ऊंची इमारत विचिटा फॉल्स की सबसे प्रसिद्ध जगह है, जो लोगों को याद दिलाती है कि बिना पढ़े किसी भी कागज पर साइन करना कितना भारी पड़ सकता है।

जमानत पर न्यायिक दृष्टि दोष नहीं संतुलन का साधन

अधिवक्ता तल्हा अब्दुल रहमान व एसएम हैदर ने साझा किये कानून के विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाल ही में देश के एक प्रमुख समाचार पत्र में प्रकाशित एक लेख में यह संकेत देने का प्रयास किया गया कि बड़ी संख्या में जमानत देना न्यायिक त्रुटि या अनुचित उदारता का द्योतक है। यह दृष्टिकोण न केवल विधिक रूप से त्रुटिपूर्ण है, वरन जमानत संबंधी न्यायशास्त्र की मूल भावना के विपरीत भी है। जमानत देना कोई अवगुण नहीं, वरन विधि द्वारा मान्यता प्राप्त एक आवश्यक साधन है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत स्वतंत्रता और न्याय के बीच संतुलन स्थापित करना है। ये विचार एडवोकेट आन रिकॉर्ड उच्चतम न्यायालय तल्हा अब्दुल रहमान व उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के अधिवक्ता एसएम हैदर रिजवी ने साझा किए।

सर्वप्रथम, यह समझना आवश्यक है कि जमानत का निर्णय किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि न्यायालय का होता है। न्यायाधीश केवल उस संस्थागत प्रक्रिया का एक अंग होते हैं। इसलिए किसी एक न्यायाधीश पर इस प्रकार की आलोचना केंद्रित करना न्यायिक संस्थान की प्रकृति को समझने में भूल को दर्शाता है। यदि किसी न्यायालय के समक्ष 510 जमानत याचिकाएं आती हैं और उनमें से 508 में जमानत प्रदान की जाती है, तो यह परिस्थिति अधिक गंभीर प्रश्न उठाती है कि क्या इतनी बड़ी संख्या में अभियोजन प्रक्रियाएं स्वयं संदेह के घेरे में हैं। यह स्थिति न्यायिक उदारता से अधिक, आपराधिक न्याय प्रणाली में संभावित दुरुपयोग की ओर संकेत करती है।

सात वर्ष तक की सजा वाले अपराधों में गिरफ्तारी और हिरासत को अपवाद के रूप में देखा जाना चाहिए

भारतीय विधि में, विशेषकर अर्नेश कुमार बनाम बिहार सरकार के न्याय निर्णय में, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सात वर्ष तक की सजा वाले अपराधों में गिरफ्तारी और हिरासत को अपवाद के रूप में देखा जाना चाहिए। इसी प्रकार वैवाहिक विवादों में अनावश्यक आपराधिकरण को भी न्यायालयों ने समय-समय पर हतोत्साहित किया है। यह विधिक पृष्ठभूमि इस तथ्य को पुष्ट करती है

कि जमानत देना न्यायिक विवेक का स्वाभाविक और अपेक्षित प्रयोग है। वर्तमान समय में दहेज संबंधी प्रकरणों के दुरुपयोग के सैकड़ों द्रष्टान्त सामने आते हैं, जहां विस्तृत परिवार के सदस्यों को भी अभियुक्त बना दिया जाता है। ऐसे मामलों में जमानत केवल अभियुक्त के अधिकारों की रक्षा नहीं करती, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक संतुलन को भी बनाए रखने का कार्य करती है।

निर्दोषों की स्वतंत्रता की रक्षा करना भी न्यायपालिका का दायित्व

न्यायपालिका का दायित्व केवल अपराध को दंडित करना नहीं, बल्कि निर्दोषों की स्वतंत्रता की रक्षा करना भी है। ऐसे में वे न्यायाधीश, जो संतुलन बनाए रखते हैं और विधि के शासन के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं, न्यायिक गरिमा को सुदृढ़ करते हैं, न कि उसे कमजोर करते हैं । अंततः इस विमर्श को व्यक्तियों से हटाकर सिद्धांतों पर केंद्रित करना आवश्यक है। जमानत को संदेह की दृष्टि से देखना, स्वतंत्रता के सवैधानिक मूल्य को कमतर आंकने के समान है।

हज़ारों साल नर्गिस अपनी बे-नूरी पे रोती है,
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदा।

जमानत और दोषसिद्धि को एक ही तराजू में तौलना विधिक दृष्टि से अनुचित

जमानत और दोषसिद्धि को एक ही तराजू में तौलना विधिक दृष्टि से अनुचित है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि यदि कोई व्यक्ति अंततः निर्दोष सिद्ध होता है, तो वह अपने जीवन के वे वर्ष कभी वापस नहीं पा सकता जो उसने कारावास में बिताए। इसीलिए संदेह की स्थिति में जमानत देना न्यायसंगत और विवेकपूर्ण है, ताकि अपरिवर्तनीय अन्याय से बचा जा सके। यदि किसी पक्ष को जमानत आदेश से वास्तविक आपत्ति है, तो विधि स्पष्ट उपाय प्रदान करती है। ऐसे आदेशों को उच्चतर न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है, जहां तथ्यों और विधि के आधार पर पुनर्विचार संभव है। इस प्रकार की वैधानिक अपील की व्यवस्था होते हुए भी जमानत देने से परहेज करना और विचाराधीन कैदियों से कारागारों को भर देना न तो न्यायसंगत है और न ही व्यावहारिक समाधान। न्याय का उद्देश्य सुधार और संतुलन है, न कि अनावश्यक निरुद्धता।

चुप रहना कायरता नहीं कूटनीति है : थरूर

» कांग्रेस नेता ने किया मोदी सरकार का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति के दिग्गज और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने एक बार फिर अपनी बेबाक राय से सबको चौंका दिया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी भीषण संघर्ष पर जहां कांग्रेस नेतृत्व केंद्र सरकार की चुप्पी को नैतिक हार बता रहा है, वहीं थरूर ने इसे भारत की जिम्मेदार कूटनीति करार दिया है। अपने लेख में थरूर ने तर्क दिया कि विदेश नीति सिद्धांतों के अकादमिक सेमिनार जैसी नहीं होती। उन्होंने माना कि इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो सकती है, लेकिन भारत का संयम किसी डर का नहीं बल्कि रणनीतिक समझदारी का परिचायक है।

थरूर ने लिखा कि इस संदर्भ में, चुप रहना कायरता नहीं है। यह हमारे राष्ट्रीय हितों और क्षेत्र की वास्तविकताओं के बीच संतुलन को समझने का नतीजा है। सिर्फ दिखावा करने से हमारे हित पूरे नहीं होंगे। उनका यह रुख उनकी पार्टी के रुख से बिल्कुल अलग था। पिछले महीने जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए, जिसमें कई आम नागरिक और अयातुल्ला अली खामेनेई जैसे बड़े नेता मारे गए, तो कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की। कांग्रेस का कहना था कि सरकार ने इस युद्ध की सीधे तौर पर निंदा क्यों नहीं की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि एकतरफ़ा सैन्य कार्रवाई की निंदा करने के मामले में भारत का रुख नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए। वहीं, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खामेनेई की हत्या पर सरकार की चुप्पी को तटस्थ रुख नहीं, कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता ने उन तथाकथित उदारवादियों पर निशाना साधा, जो सरकार पर नैतिक कायरता का आरोप लगाते हैं और कार्रवाई की मांग करते हैं, जबकि उनका खुद इस मामले से कोई सीधा लेना-देना नहीं होता। उन्होंने ऐसे लोगों की तुलना एक सर्कुलर फायरिंग स्क्वाड से की, जो अपने ही लोगों को गोली मार देता है।

संजू धोनी के खास क्लब में शामिल होने को तैयार

» 9000 रन के ऐतिहासिक आंकड़े के करीब हैं कोहली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में भारतीय क्रिकेट के दो बड़े नाम विराट कोहली और संजू सैमसन अपने-अपने करियर की बड़ी उपलब्धियों के बेहद करीब हैं। एक तरफ सैमसन जहां विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में खास क्लब में शामिल होने की दहलीज पर खड़े हैं, वहीं कोहली लीग इतिहास में एक ऐसा रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रहे हैं, जिसे अब तक कोई बल्लेबाज छू नहीं पाया है।

संजू की नजर आईपीएल 2026 में एक खास उपलब्धि पर है। आईपीएल इतिहास में अब तक सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी ही ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 5000 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। सैमसन इस क्लब में शामिल होने से महज 296 रन दूर हैं। 2013 से 2025 के बीच 177 मैचों में 4704 रन बना चुके सैमसन यह खास मुकाम हासिल कर सकते हैं। खास बात यह भी है कि इस बार वह धोनी की ही टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते नजर आएंगे, जिससे यह उपलब्धि और भी खास बन सकती है। दूसरी ओर, कोहली को 9000 रन पूरे करने के लिए सिर्फ 339 रनों की जरूरत है, और ऐसा करते ही वह लीग में यह आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली पिछले तीन सीजन में उन्होंने लगातार 50 से ऊपर की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 2023, 2024 और 2025 में उन्होंने क्रमशः 639, 741 और 657 रन बनाए। 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे कोहली के नाम पहले ही 8661 रन दर्ज हैं। वह आईपीएल में 8000 रन का आंकड़ा पार करने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं और सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है।

डेथ ओवर के किंग हैं बुमराह, अब तक झटके 183 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद तेज गेंदबाजों में शुमार जसप्रीत बुमराह का आईपीएल में सफर सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर सुधार, दबाव में प्रदर्शन और मैच जिताने की कला की कहानी भी है। मुंबई इंडियंस के साथ उनका जुड़ाव पिछले एक दशक से ज्यादा समय से है, और इस दौरान उन्होंने खुद को टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में स्थापित किया है। अब तक 145 मैचों में 183 विकेट, 22.02 की औसत और कई मैच जिताने वाले स्पेल किये हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि बुमराह सिर्फ एक गेंदबाज नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद मैच-विनर हैं। उन्होंने चार बार एक सीजन में 20 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं और 2 बार पांच विकेट हॉल भी दर्ज किया है।

कांग्रेस से बीजेपी में आए प्रद्युत बोरदोलोई को मिला टिकट

» असम बीजेपी की पहली लिस्ट में 88 नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में 9 अप्रैल 2026 को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की पहली और पूरी लिस्ट एक साथ जारी की है। पार्टी ने कुल 89 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, जिसमें 88 नामों की शुरुआती घोषणा हुई थी और बाकी जल्द पूरी हुई। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने पहले ही कहा था कि बीजेपी सभी उम्मीदवारों की लिस्ट एक ही बार में जारी करेगी और ऐसा ही हुआ है। कांग्रेस से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हुए लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई को दिसपुर सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

दिसपुर असम की सबसे प्रतिष्ठित और हाई-प्रोफाइल सीट मानी जाती है। प्रद्युत

बोरदोलोई ने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था और बुधवार को हिमंता बिस्वा सरमा की मौजूदगी में बीजेपी जॉइन की, सीएम हिमंता ने कहा कि ये कदम पार्टी को मजबूत करेगा, सीएम हिमंता बिस्वा सरमा खुद जालुकबारी सीट से चुनाव लड़ेंगे। ये उनकी पुरानी सीट है और वो यहां से लगातार मजबूत प्रदर्शन करते आए हैं।

पुडुचेरी में एनडीए टूटने की कगार पर

» पूर्ण राज्य के दर्जे पर अड़ी एनआर कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुडुचेरी। विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की राजनीति में एक बड़ा मोड़ आ गया है। सत्ताधारी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के भीतर दरारें इतनी गहरी हो गई हैं कि गठबंधन के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। मुख्यमंत्री एन. रंगासामी की पार्टी एनआर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच उपजे विवादों ने चुनावी समीकरणों को पूरी तरह उलझा दिया है। इस दरार की मुख्य वजह एनआर कांग्रेस का यह कड़ा रुख है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह, किसी एक से पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए स्पष्ट आश्वासन मिले।

यह पुरानी मांग चुनावों से ठीक पहले

एक बार फिर ज़ोर-शोर से उठाई गई है, जिससे गठबंधन पर दबाव बढ़ गया है और पुडुचेरी की केंद्र शासित प्रदेश के दर्जे से बाहर निकलकर पूर्ण राज्य बनने की चाहत उजागर हुई है। एनआर कांग्रेस ने एनडीए में लक्ष्य द्रविड़ जननायक काची को शामिल किए जाने का कड़ा विरोध किया है। इस पार्टी का नेतृत्व चार्ल्स मार्टिन के बेटे कर रहे हैं, जो एक विवादित लॉटरी किंग साम्राज्य के वारिस हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि यह जुड़ाव राजनीतिक रूप से सही नहीं है, इससे पार्टी के भीतर कलह बढ़ रही है और ऐसे लोगों को गठबंधन में जगह देने की एनडीए की व्यापक रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं।

तमिलगा वेट्री कजगम से हाथ मिलाएंगे एन. रंगसामी

एक नाटकीय मोड़ में, मुख्यमंत्री एन. रंगसामी, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वे एनडीए से अलग होने वाले हैं, आज या कल में ही विजय की पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम के साथ एक नए गठबंधन की घोषणा कर सकते हैं। इस संभावित फेरबदल से पुडुचेरी के चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं, पार्टियां इस बेहद अहम चुनाव में बढ़त बनाने की होड़ में लगी हैं, जिससे चुनावी मुकाबले की नई लकीरें खिंच सकती हैं।

बांदा में सड़क बनी जंग का मैदान

मौरंग चेकिंग के दौरान टकराव ड्राइवर ने मारपीट का लगाया आरोप एसडीएम बोले दलालों ने दी जान से मारने की धमकी

» एसडीएम बनाम ट्रक सिंडिकेट, पिटाई और धमकी के आरोपों से मचा बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में मौरंग खनन और परिवहन को लेकर उस समय हालात बेकाबू होते नजर आए जब सड़क पर ही प्रशासन और ट्रक सिंडिकेट आमने सामने आ गए। चेकिंग के दौरान शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते तीखी झड़प में बदल गया जिसमें एक तरफ उपजिलाधिकारी अमित शुक्ला और उनकी टीम थी तो दूसरी तरफ ट्रक ड्राइवर और कथित सिंडिकेट से जुड़े लोग।

पूरा मामला गिरवा थाना क्षेत्र के बड़ोखर इलाके का है जहां नरैनी के एसडीएम अमित शुक्ला अपनी टीम के साथ मौरंग से भरे ट्रकों की नियमित चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मध्य प्रदेश के रामपुर खदान से आ रहे एक ट्रक को रुकने का इशारा किया गया लेकिन आरोप है कि ड्राइवर ने ट्रक रोकने के बजाय स्पीड बढ़ाकर निकलने की कोशिश की। इसके बाद हालात तेजी से बिगड़ गए। एसडीएम ने अपनी गाड़ी से ट्रक का पीछा कर उसे रुकवाया लेकिन कुछ ही देर में वहां ट्रक संचालन से जुड़े दर्जनों लोग पहुंच गए और मौके पर जमकर हंगामा शुरू हो गया।

दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई जिसने पूरे इलाके में तनाव फैला दिया। इस पूरे घटनाक्रम में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी शुरू हो गया है। ट्रक ड्राइवर कुलदीप तिवारी का कहना है कि उसने भीड़भाड़ के चलते तुरंत ट्रक नहीं रोका और कुछ दूरी पर गाड़ी खड़ी कर दी थी। लेकिन इसके बाद उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर पीटा गया। उसका दावा है कि उसके पास सभी वैध कागजात मौजूद थे फिर भी उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया गया।

एसडीएम अमित शुक्ला से हुई बदसलूकी

वहीं दूसरी ओर एसडीएम अमित शुक्ला का आरोप है कि ट्रक ड्राइवर और उसके समर्थन में आए लोगों ने सरकारी टीम के साथ बदसलूकी की, गाली-गलौज की और यहां तक कि उनके ड्राइवर, अर्दली और होमगार्ड को जान से मारने की धमकी दी। उनका कहना है कि यह कार्रवाई अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ की जा रही थी जिसे कुछ लोग बाधित करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद बढ़ता देख पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। ट्रक और उसके ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है जबकि पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि मौरंग परिवहन को लेकर प्रशासन और कथित सिंडिकेट के बीच यह पहला टकराव नहीं है। इससे पहले भी चेकिंग को लेकर एसडीएम अमित शुक्ला का विवाद जनप्रतिनिधियों तक से हो चुका है। फिलहाल इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर मौरंग खनन और परिवहन के इस खेल में असली ताकत किसके पास है। प्रशासन या सिंडिकेट? और क्या सड़क पर इस तरह की टकराहट ही अब कानून-व्यवस्था की नई तस्वीर बनती जा रही है?

सीबीआई ने की अनिल अंबानी से पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के बड़े कारोबारी अनिल अंबानी आज फिर जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। सीबीआईने उन्हें करीब 2929 करोड़ रुपये के कथित बैंक फ्रॉड मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। यह पूरा मामला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर बीते साल अगस्त में दर्ज हुआ था, जिसमें रिलायंस कम्युनिकेशंस रूपर लोन के पैसे में गड़बड़ी करने के आरोप लगे हैं।

सीबीआई का कहना है कि कंपनी को दिए गए लोन के पैसों का सही इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि उसमें फंड डायवर्जन, गड़बड़ी और गलत तरीके से पैसे इस्तेमाल करने जैसी बातें सामने आई हैं। इसी सिलसिले में अनिल अंबानी आज दिल्ली स्थित सीबीआई हेडक्वार्टर पहुंचे, जहां उनसे लंबी पूछताछ की जा रही है, एजेंसी ने अनिल अंबानी और उनकी कंपनी के खिलाफ पहले भी कई एफआईआर दर्ज की हैं। वहीं अनिल अंबानी के प्रवक्ता का कहना है कि वो 19 और 20 मार्च 2026 को सीबीआईके सामने पेश हो रहे हैं और जांच में पूरा सहयोग करेंगे उनका कहना है कि अनिल अंबानी सभी एजेंसियों के साथ मिलकर इस मामले को साफ करने के लिए तैयार हैं।

प्रदेश सरकार के 8 साल को डा. राजेश्वर सिंह ने बताए अभूतपूर्व

» सरोजनीनगर विधायक ने प्रमुख उपलब्धियों को गिनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद हुए बदलाव को लेकर एक बार फिर सियासी और प्रशासनिक बहस तेज हो गई है। इसी कड़ी में लखनऊ के सरोजनी नगर से विधायक डा. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की दस प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए इसे संरचनात्मक परिवर्तन बताया है। उनका दावा है कि पिछले वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत दूसरे सभी सेक्टर में प्रदेश सरकार द्वारा बढ़िया काम किया गया है।

डा. राजेश्वर सिंह के मुताबिक कानून-व्यवस्था में सुधार सरकार की बड़ी उपलब्धि रही है। माफिया पर कार्रवाई संपत्तियों की जब्ती और डायल 112 जैसी व्यवस्थाओं को इसका आधार बताया गया है। वहीं, सरकार का दावा है कि एक्सप्रेसवे, मेट्रो और एयरपोर्ट परियोजनाओं ने प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी दी है। वर्तमान में कई एक्सप्रेसवे चालू हैं और कुछ निर्माणाधीन हैं, जिससे निवेश आकर्षित करने की कोशिश हो रही है। विधायक डा. राजेश्वर सिंह का दावा है कि आर्थिक मोर्चे पर प्रदेश की जीएसडीपी बढ़कर 24 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है। सरकार इसे एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था की दिशा में कदम मान रही है। निवेश प्रस्तावों की बड़ी संख्या और डिफेंस कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं को रोजगार सृजन का आधार बताया जा रहा है, लेकिन विपक्ष इन निवेश प्रस्तावों के वास्तविक क्रियान्वयन पर सवाल उठाता रहा है। उनके द्वारा विनिर्माण क्षेत्र में नोएडा को मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने का दावा किया गया है, जिससे निर्यात बढ़ने की बात कही जा रही है। वहीं कृषि क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ाने और किसानों को लाभ पहुंचाने के आंकड़े भी पेश किए गए हैं। जनकल्याण योजनाओं के तहत आवास, बिजली और गैस कनेक्शन देने के आंकड़े सरकार की उपलब्धियों में शामिल हैं। महिला सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति और डिजिटल गवर्नेंस के जरिए पारदर्शिता बढ़ाने के दावे भी किए गए हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की बात कही गई है।

सरोजनी नगर विधायक डा राजेश्वर सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा है कि रोजगार को लेकर सरकार ने लाखों सरकारी नौकरियों और निजी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवसर सृजित करने काम किया है। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद हुए बदलाव को लेकर सरकार जहां इसे विकास माडल के रूप में पेश कर रही है वहीं विपक्ष और सामाजिक संगठनों के बीच इसके असर और वास्तविकता पर बहस लगातार जारी है।

दुलारचंद यादव हत्याकांड में अनंत सिंह के मिली बेल जल्द जेल से होंगे रिहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मोकामा के विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उन्हें चर्चित दुलारचंद यादव हत्या मामले में जमानत दे दी गई है। अदालत ने सुनवाई के दौरान प्रस्तुत तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करते हुए यह निर्णय सुनाया। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद संभावना जताई जा रही है कि अनंत सिंह शुक्र वार या शनिवार तक जेल से रिहा हो सकते हैं।

जमानत की खबर फैलते ही मोकामा और आसपास के क्षेत्रों में उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। समर्थकों ने जश्न मनाते हुए कहा कि उन्हें शुरू से ही अनंत सिंह पर भरोसा था और अदालत के फैसले ने उनके विश्वास को और मजबूत किया है। गौरतलब है कि दुलारचंद यादव हत्या मामला लंबे समय से चर्चा में रहा है और इस केस में अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई थी। अब जमानत मिलने के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

यूपी पुलिस को लगा सुप्रीम झटका

सांप के जहर मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत देते हुए 2023 के चर्चित स्नेक वेनम मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। दरअसल, नवंबर 2023 में उत्तर प्रदेश के नोएडा में कथित रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद एल्विश यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

बाद में 17 मार्च 2024 को उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। आरोप था कि पार्टियों में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल मनोरंजन और नशे के लिए किया जा रहा था, जो वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गंभीर अपराध है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 2(23) के तहत जिस कथित साइकोट्रॉपिक पदार्थ की बात कही गई, वह कानून की निर्धारित सूची में शामिल ही नहीं है। साथ ही, कोर्ट ने यह भी नोट किया कि एल्विश यादव के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप था कि उन्होंने एक सहयोगी के जरिए ऑर्डर दिया था। इन तथ्यों को देखते हुए अदालत ने माना कि एनडीपीएस एक्ट का इस्तेमाल इस मामले में कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। दूसरे अहम पहलू पर, कोर्ट ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 55 का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के तहत अभियोजन केवल अधिकृत अधिकारी की शिकायत के आधार पर ही शुरू किया जा सकता है।

पीठ ने कहा कि मौजूदा ढ्रक्रम इस प्रक्रिया का पालन नहीं करती, इसलिए यह विधिसम्मत नहीं मानी जा सकती। महत्वपूर्ण रूप से, अदालत ने सक्षम प्राधिकरण को यह स्वतंत्रता भी दी कि वह कानून के अनुसार उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए, विशेष रूप से वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 55 के तहत, नई शिकायत दाखिल कर कार्रवाई शुरू कर सकता है।

केंद्र सरकार ने किसानों के साथ वादा खिलाफी की : राजा वड़िंग

» एमएसपी को लेकर कांग्रेस व सपा ने भी घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में कृषि अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एमएसपी पर कांग्रेस को घेरा। हालांकि उसके बाद कांग्रेस ने भी पलटवार किया। उधर सपा ने भी अमेरिका भारत डील पर चर्चा करवाने की मांग की। कांग्रेस ने को केंद्र सरकार पर किसानों के साथ वादा खिलाफी का आरोप लगाया और कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करनी चाहिए।

संचार मंत्री सिंधिया के उपस्थित नहीं रहने पर लोस अध्यक्ष नाराज

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान ग्रामीण डाक सेवकों से संबंधित प्रश्न पूछे जाने के दौरान संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के उपस्थित नहीं रहने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने नाराजगी जताई।

पार्टी के लोकसभा सदस्य अमरिंदर राजा वड़िंग ने सदन में वर्ष 2026-27 के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि किसान आंदोलन के बाद उम्मीद थी कि सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग पूरी करेगी, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया। देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से संबंधित विधेयकों पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति का कार्यकाल को मानसून सत्र तक बढ़ा दिया गया।

मुख्य विपक्षी दल के 'हाथी के दांत खाने के और, दिखाने के और : शिवराज यादव

लोकसभा ने वर्ष 2026-27 के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों को स्वीकृति प्रदान की। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर लोकसभा में कांग्रेस सदस्यों के हमले को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि इस विषय पर मुख्य विपक्षी दल के ''हाथी के दांत खाने के और, दिखाने के और'' हैं। उन्होंने सदन में वर्ष 2026-27 के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस नीत (पूर्ववर्ती) सरकार ने लागत पर 50 प्रतिशत के फार्मूले के आधार पर एमएसपी देने से इनकार कर दिया था, लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों को यह दिया है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा